riå acquirere. MAH. 1.152.: यदा 'श्रीषम् द्वीपदीं रङ्ग-मध्ये लच्यम् भिन्वा निर्तिताम् ऋर्जुनेनः

c. निस् praef. वि id. MAN. 11.205.: विवादे विनिर्जि-त्य

с. परा id. Dev. 2.2.: अस्तरेत्र महावीर्येत्र देवसैन्यम् पराजितम्; N. 26. 19.: एकपाणेन वीरेण नलेन स पराजितः Praet. multf. ATM. MAH. 1. 6378.: द्रोण: पराजिष्ठ मां स सिविविग्रहे (पराजेष्ठ?).

с. वि Р. А. id. Sv. 2.8.: सर्वा म्लेच्क्जातीर विजिग्यतुः; Ман. 1.2268.: द्विणां सहदेवस् त विजिग्ये; Ragh. 12.104.

রিমীত্ Desid. r. রি, v. gr. 544.

নিমীম্ব (a praec. s. হু, gr. 645.) vincendi cupidus. RAM.I. 36.16.

जिघत्स् (a जिघत्स् Desid. r. घस्, s. उ) famelicus. Am. जिघांस् Desid. r. हन्, v. gr. 551.

तिघांसा f. (a praec. s. म्रा) necandi cupido. RAGH. 15.19. तिघृत् Desid. r. ग्रहू, v. gr. 102. d. 551.

तिघृत्वा र. (a praec. s. म्रा) prehendendi cupido. RAGH.9.

রিত্বানা f. (a রিত্বান্ Desid. r. ত্না, s. স্মা) exploratio. Hit. 20. 13. 72. 14.

রিত্বান্ত (a রিত্বান্ Desid. r. ত্ল্যা, s. ন্ত) cognoscendi, explorandi cupidus. Bu. 6. 44.

রিন (r. রি s. ন, gr. 643.) vincens, expugnans; in fine compp. Dr. 9.11.

রিনেক্সাঘ (BAH. e রিন et ক্লাঘ iracundia) victam iracundiam habens, expers iracundiae. SA. 3.2.

शितलामं (BAH. e जित et लाम lassitudo) victam lassitudinem habens, lassitudinis expers. H. 1.52.

রিনান্দান্ (вли. e রিন et স্নান্দান্ q.v.) victam, domitam animam habens, victum semetipsum habens, qui animi affectiones vicit. Su. 2. 2.

রিনিন্ধি (BAH. e রিন et इन्द्रिय n. sensus) victos, domitos sensus habens. Su. 3. 2. Sa. 1.2.

जिन्व् 1. म. (प्रीणाने, scribitur जिल्ला, gr. 110°).) exhilarare.

जिम् 1. म. (म्रदने म. भन्ने म.) edere; of जम्, चम् et v.

जिरि <sup>5. p.</sup> जिरिणामि (हिंसायाम्) offendere, ferire, laedere, occidere; cf. चिरि, जू, जूर्च, ऋ. (Hib. gearaim «I sharpen, whet, cut, bite, knaw».)

जिष् 1. P. (सेचने K. सेके P.) humectare, irrigare, conspergere.

तिष्णु (fem. -ष्णु, r. ति s. ह्न: v. gr. 645. s. ह्न) 1) Adj. vincens, victoriosus. RAGH. 4. 85. 10. 18. 2) cognomen Arguni.

तिहीर्ष Desid. r. हृ, v. gr. 543.

নিহীৰ্দ্ত (a praec. s. z) capiendi, rapiendi cupidus. N. 9.16.

京朝 (ut videtur, forma redupl. a r. 哥 s. 山, cf. gr. 370.)
1) curvus, flexus. A. 7.6. 2) transl. pravus. N. 12.83.
(Hib. giomh «a lock of hair; a fault».)

রিন্ধ্যা (e praec. et ্য iens) serpens. MAH. 982.

京南 f. (fortasse forma redupl. a r. 南 vocare, v. Pott. p. 230.; sec. Wils. a r. 南東 lingere, mutato 南 in 引, s. 河 lingua. H. 2.9. (Si 京南 descendit a 南東, huc trahenda sint lith. liez uwis, cf. laiz u lingo, lat. lingua. Goth. tuggô, nostrum Zunge et hib. teanga, si huc pertinent, ita e 京南 explicari possunt, ut soni 司 dsch solum prius elementum relictum sit; zend. w>>500 hizva autem sibilantem solam, mutato s in h, servavit; v. gr. comp. 53.)

রীন <sup>m.</sup> (r. রয়া s. ন v. gr.608.) senex. Am. রীমূন <sup>m.</sup> nubes. N.12.57.

जोर्ण v. जु.

जीव् 1. १. ४. vivere. N. 11.17:: जीवत्व अस्रावजीवि-काम्: H. 1.39:: स जीवेत सुखं लोके — न जी-वितुम् mori. SA. 5.99:: पुरामातुः पितुर् वा 'पि यदि पश्यामि विप्रियम्। न जीविष्ये — Caus. facere ut alqs reviviscat, vitam recipiat. MAH. 1.1994:: वृद्यम् जीवयामासः 1995:: पार्थिवञ् जीविष्यितः (\*) —

In recentioribus libris invenitur forma caus. anomala 18\*